तापमान
अधिकतम 25 .2 डिग्री
न्यूनतम 6 .5 डिग्री

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, सोमवार, 20 जनवरी 2025

13 भरत कॉलोनी में हो रही दूषित पेयजल की सप्लाई ...

14 खटाई में पड़ती दिख रही सरकारी स्कूलों में ...

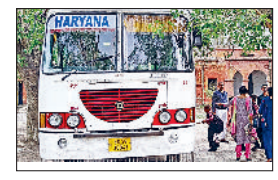

शहर में आज

- आंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर का आयोजन।
- रोडवेज डिपो में कर्मचारियों की मीटिंग।
- विकास भवन में समाधान शिविर का आयोजन।

खबर संक्षेप

युवक घर से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता

रोहतक। व्यापार में घाटा होने पर एक युवक घर से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। युवक की पत्नी ने शहर थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह नेहरू कालोनी की रहने वाली है। उसका पति 35 वर्षीय राजकुमार नेटवर्क मार्केटिंग में काम करता है। इसमें राजकुमार को घाटा हो गया। वह शनिवार को सुबह वह बिना किसी को बताए एक नोट लिखकर घर से चला गया। जब उन्हें घर पर राजकुमार नहीं मिला तो उन्होंने आसपास तलाश करना शुरू किया लेकिन राजकुमार के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली। महिला ने बताया कि उसके पति का मोबाइल सुबह से बंद आ रहा है। वह कई बार फोन कर चुके हैं। उन्हें आशंका है कि उसके साथ कोई अनहोनी न हो गई हो। पुलिस युवक की तलाश कर रही है।

पैदल जा रही बुजुर्ग महिला को मारी टक्कर

रोहतक। पैदल अपने घर जा रही बुजुर्ग महिला को एक कार ने टक्कर मार दी, जिससे वह घायल हो गई। घटना स्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरे में घटना कैद हुई है। साहिल खुराना ने आर्य नगर थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह डीएलएफ कालोनी में रहता है और मेडिकल शाप पर काम करता है। 17 जनवरी की रात करीब साढ़े आठ बजे वह डीएलएफ कालोनी स्थित लेबर चौक के पास मौजूद था। उसी समय उसकी 75 वर्षीय दादी शांति देवी अमृता नंद कुटिया मंदिर से पैदल अपने घर जा रही थी। जब उसकी दादी सड़क पर पहुंची तो वह दोनों तरफ देखकर सड़क पार करने लगी। इसी दौरान लेबर चौक की तरफ से एक तेज रफ्तार कार आई और उसकी दादी को टक्कर मार दी। जिसके बाद आरोपित मौके से फरार हो गया।

पं. ओमप्रकाश की प्रतिमा का अनावरण 28 को

महम। मदीना गांव में स्व. पंडित ओमप्रकाश शर्मा की प्रतिमा का अनावरण 28 फरवरी को किया जाएगा। सुबह 8 बजे हवन किया जाएगा, जबकि सुबह 10 बजे सामूहिक भोज शुरू होगा। स्व. पंडित ओमप्रकाश शर्मा मदीना गिंधराण की सरपंच अंजू देवी के ससुर हैं।

शहर में सफाई व्यवस्था चरमराई, हर वार्ड में लग रहे कूड़े के ढेर

2600 सफाई कर्मियों की जरूरत महज 656 से चलाया जा रहा काम

- डस्टबीन न होने के चलते सड़कों पर पड़ा रहता है कूड़ा
- पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में चल रहा है टेंडर मामला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर की सफाई व्यवस्था में सुधार नहीं हो पा रहा है। नगर निगम आयुक्त धर्मेंद्र सिंह द्वारा कई बार मीटिंग लेकर सफाई शाखा को बेहतर ढंग से सफाई करवाने के निर्देश दिए जा चुके हैं। लेकिन कर्मचारियों की कमी की वजह से अधिकतर समय सफाई ढंग से नहीं हो पा रही। कई वार्डों में सफाई सही नहीं होने की शिकायतें निगम में भी पहुंच रही हैं। इसके अलावा सड़कों पर दिनभर कूड़े के ढेर लगे रहते हैं। निगम के अधिकारियों के मुताबिक 2023 में शहर को दो जान में बांटकर करीब 49 करोड़ में सड़कों व गलियों की सफाई का ठेका गया दिया था लेकिन यह मामला पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में चला गया। इसकी वजह से टेंडर नहीं होने से दिक्कतें आ रही हैं। सफाई कर्मचारी यूनियन के प्रधान के मुताबिक सफाई के लिए दो हजार अतिरिक्त कर्मचारियों की जरूरत है। जबकि 656 सफाई कर्मचारियों के कंधों जिम्मेदारी है।

नीली कोठी के पास गंदगी

कोर्ट के सामने कूड़े का ढेर

यहां-यहां लग रहे कूड़े के ढेर

झज्जर रोड, पुरानी आईटीआई मैदान, डीएलएफ कॉलोनी, हुडा काम्प्लेक्स, गोहाना अड्डा, कोर्ट के सामने, छोटूराम चाक, विकास भवन के पास, बाल भवन के सामने, सुखपुरा चौक लाढ़ौत रोड टी प्वाइंट, गोहाना रोड पंजाबी धर्मशाला के पास, गोहाना रोड पर टीबी अस्पताल के पास आदि ऐसे स्थान हैं जहां रोजाना गंदगी का ढेर लगा होता है। लोग कूड़ा गाड़ी में डालने की बजाए यहां रोड पर फेंक कर चले जाते हैं जबकि नगर निगम की तरफ से रोहतक को डस्टबीन मुक्त किया जा चुका है। इसके बावजूद लोग नहीं मान रहे और खुले में कूड़ा डाल रहे हैं।

स्थाई कर्मचारी केवल 199

निगम में कुल सफाई कर्मचारी 656 हैं। इसमें 457 अस्थाई हैं। 199 ही स्थाई कर्मचारी हैं। ये कर्मचारी पहले गलियों की सफाई करते हैं और फिर इनसे सड़कों की सफाई करवाई जा रही है। दोगुणा काम की वजह से कर्मचारियों के स्वास्थ्य पर भी प्रभाव पड़ रहा है। निगम को कर्मचारियों की संख्या बढ़ानी चाहिए।

सफाई नहीं हो पा रही

सफाई व्यवस्था सही तरीके से नहीं हो पा रही। वार्डों में भी समस्या आ रही है। नगर निगम में कर्मचारियों की कमी है। इसके अलावा टेंडर नहीं हो पा रहा है। निगम के वरिष्ठ अधिकारियों को समस्या का समाधान करवाने का प्रयास करना चाहिए। साथ ही कर्मचारियों की संख्या बढ़नी चाहिए ताकि सफाई ढंग से हो सके। -**अशोक खुराना**, पूर्व पार्षद

सफाई व्यवस्था चरमराई

शहर में सफाई व्यवस्था का बुरा हाल हो चुका है। सड़कों पर गंदगी पड़ी मिलती है। सफाई ठेकेदार मनमानी कर रहा है। वह किसी की नहीं मानता। उनके काम करने का तरीका अलग है। निगम के अधिकारियों को कई बार शिकायत की जा चुकी है। जहां कूड़ा होता है। वहां से ढंग से नहीं उठाया जा रहा। ठेकेदार का कहना है कि निगम के सफाई कर्मचारी कूड़ा एकत्रित करके उन्हें दे, इसके बाद वह उसे शहर से बाहर फेंकेंगे। आबादी के मुताबिक शहर को कम से कम दो हजार अतिरिक्त कर्मचारियों की जरूरत है। -**संजय बिडलान**, प्रधान नगर पालिका कर्मचारी संघ।

रोहतक। भाजपा बूथ अध्यक्ष व वरिष्ठ पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

शेष 10 मंडलों अध्यक्षों का चुनाव इसी सप्ताह

भाजपा ने 5 मंडलों के अध्यक्षों की सर्वसम्मति से की घोषणा

- भाजपा विश्व की सबसे बड़ी और अनुशासित पार्टी : संदीप जोशी
- चुनाव सह अधिकारी डॉ दिनेश धिलौड़ व सुखबीर चंदेलिया ने आभार जताया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

भाजपा जिला इकाई के पांच मंडलों के बूथ अध्यक्षों की महत्वपूर्ण बैठकें प्रदेश कार्यालय मंगल कमल सेक्टर-36ए सनसिटी व अन्य स्थानों पर हुई। जिनमें बूथ अध्यक्षों के अलावा भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी भी मौजूद रहे। जिला चुनाव अधिकारी संदीप जोशी की देखरेख में 5 मंडल अध्यक्षों का चुनाव सर्वसम्मति से किया गया। जिला चुनाव सह अधिकारी डॉ दिनेश धिलौड़ व सुखबीर चंदेलिया ने सभी बूथ अध्यक्षों का आभार जताया। चुनाव अधिकारी संदीप जोशी ने कहा कि भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनैतिक पार्टी ही नहीं,विश्व की सबसे अधिक अनुशासित पार्टी भी है। उन्होंने कहा कि रोहतक जिला में कुल 15 मंडल हैं और 5 मंडलों के चुनाव सर्वसम्मति से सम्पन्न हो गए हैं। शेष 10 मंडलों के चुनाव भी इसी सप्ताह संपन्न हो जायेंगे। जिला चुनाव अधिकारी संदीप जोशी ने पाचों मंडल अध्यक्षों की घोषणा की। इनमें कलानौर मंडल के कुलदीप कौशिक, सुनारिया मंडल के दिनेश धनखड़, सुंडाना मंडल के भूप सिंह, गढ़ी सांपला मंडल के कपिल खत्री, मकड़ौली मंडल के जितेंद्र नांदल को अध्यक्ष चुना गया। इस अवसर पर जिला चुनाव सह अधिकारी डॉ दिनेश धिलौड़, सुखबीर चंदेलिया प्रदेश मीडिया सह-प्रभारी शमशेर सिंह खरक, जिला चुनाव प्रभारी सतेंद्र परमार, जिला अध्यक्ष रणवीर ढाका, जिला महामंत्री आशा शर्मा, जिला उपाध्यक्ष वीरसिंह हुड्डा सहित प्रमुख पदाधिकारी मौजूद रहे।

एमडीयू में इंटर यूनिवर्सिटी महिला कराटे प्रतियोगिता शुरू

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में रविवार से ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी महिला कराटे प्रतियोगिता शुरू हो गई है। इसका शुभारंभ वीसी प्रो. राजबीर सिंह की पत्नी डॉ. शरणजीत कौर ने किया। उन्होंने इस मौके पर महिला खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए खेलो में बढ़ चढ़ कर भाग लेने की प्रेरणा दी। और बताया कि दिव्यांग खिलाड़ी भी खेलों में भाग लेकर देश का नाम रोशन कर रहे हैं। डॉ. शरणजीत कौर ने एमडीयू और इंडियन यूनिवर्सिटी का झंडा फहरा कर प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए सभी खिलाड़ियों से परिचय लिया और खिलाड़ियों को अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर एमडीयू के खेल निदेशक प्रोफेसर आरपी गर्ग ने खिलाड़ियों को डॉ. शरणजीत कौर के व्यक्तित्व से प्रेरणा लेकर राष्ट्रपति से अवॉर्ड लेने के लिए कड़ी मेहनत करने की प्रेरणा दी। उप खेल निदेशक डॉ शकुंतला बैनीवाल ने खिलाड़ियों, कोच, तकनीकी अधिकारियों और हमानों का धन्यवाद किया।

नहीं थम रही चोरी की वारदातें, लोगों में रोष

देव कॉलोनी व पीजीआई से बाइक सेक्टर-दो से गाड़ी के टायर चोरी

- पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग पुलिस कर रही तीनों मामलों की जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सर्दी के मौसम में फॉग बढ़ने के बाद से शहर में चोरी की घटनाएं भी बढ़ती जा रही है। शनिवार की रात को पीजीआई की इमरजेंसी व देव कॉलोनी के बाहर एक निजी अस्पताल से दो बाइक चोरी व सेक्टर-दो के एक मकान के बाहर खड़ी गाड़ी से चारों टायर चोरी होने की घटना सामने आई है। ऐसे में पुलिस ने पीड़ितों की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। सेक्टर दो निवासी शिक्षक अनिल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह सेक्टर दो में किराए के मकान में रहता है। 17 जनवरी की शाम को गाड़ी मकान के बाहर खड़ी की थी। 18 जनवरी को सुबह नौ बजे देखा तो गाड़ी के चारों टायर व व्हील गायब मिले। वहीं बहलंबा निवासी प्रदीप ने दी शिकायत में बताया कि उनका निजी अस्पताल में एक ब्लड बैंक है। उन्होंने अपनी बाइक को अस्पताल के सामने सड़क पर खड़ा किया था। लेकिन सुबह के समय वह बाहर आया तो उसे उसकी बाइक नहीं मिली। सुनारियां निवासी संदीप ने दी शिकायत में बताया कि वह पीजीआई में किसी काम से बाहर बाइक लगाकर अंदर गया था। कुछ देर बाद बाहर आया तो जिस जगह बाइक खड़ी की थी, वहां पर बाइक मिली ही नहीं। तलाश करने के बाद भी बाइक नहीं मिली। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

कोहरे के बीच लाइट जलाकर निकलते वाहन

मदवि: डॉ. प्रदीप को निदेशक का कार्यभार सौंपा

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने इंस्टीट्यूट ऑफ मैनजमेंट स्टडीज एंड रिसर्च के प्रोफेसर डॉ. प्रदीप कुमार को एमडीयू-सीपीएएस, गुरुग्राम के निदेशक का कार्यभार सौंपा है। कुलसचिव प्रो. गुलशन लाल तनेजा ने बताया कि प्रो. प्रदीप कुमार को एमडीयू-सीपीएएस, गुरुग्राम के निदेशक का दायित्व अतिरिक्त कार्यभार के तौर पर दिया गया है। एमडीयू-सीपीएएस, गुरुग्राम के प्राध्यापक डॉ. विजय राठी और डॉ. विरेन्द्र सिन्धु को मैनेजमेंट और लॉ के कोआर्डिनेटर का दायित्व दिया गया है। उपरोक्त दायित्व अतिरिक्त कार्यभार के तौर पर तुरंत प्रभाव से आगामी आदेशों तक दिए गए हैं।

रोजगार दिल्ली की कंपनी में दी जाएंगी नियुक्ति, पहले चरण में 25 युवाओं का किया पंजीकरण

युवाओं को आत्मनिर्भर बनाया जाएगा

ग्रामीण युवाओं को बड़े शहरों में नौकरी देने के लिए आगे आया आरएसडीबीएम ट्रस्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

गांव के युवा काबिल होने के बावजूद अक्सर प्राइवेट क्षेत्र में जाने से कतराते हैं, जबकि वे शहरी क्षेत्रों के युवाओं से ज्यादा मेहनती होते हैं। इसी कारण से गांव के युवा दिल्ली और गुरुग्राम जैसे मेट्रोपोलिटन सिटी की तरफ रुख नहीं कर पाते और उनकी योग्यता को मौका नहीं मिल पाता। इन ग्रामीण युवाओं की घबराहट को दूर और उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जा सके। इसी सामाजिक समस्या को समझते हुए श्री राम सरनदास भ्याना मेमोरियल (आरएसडीबीएम) ट्रस्ट के चेयरमैन सुमित भ्याना ने ग्रामीण युवाओं को रोजगार के बेहतर मौके देने के लिए रोजगार मेले में भागीदारी करने का फैसला लिया है।

आरएसडीबीएम ट्रस्ट ने गांव भाली आनंदपुर के ग्रामोत्सव में की रोजगार देने की पहल

इसकी शुरुआत गांव भाली आनंदपुर में ग्रामोत्सव के जरिए की गई है। रोजगार मेले को सिरे चढ़ाने के लिए आरएसडीबीएम ने वैल-ट्रांस लॉजिस्टिक इंडिया प्राइवेट लि. दिल्ली के मार्फत गांव भाली आनंदपुर में रोजगार मेले की शुरुआत की। इस दौरान 25 युवाओं को पहले चरण में पंजीकृत किया गया है। इसके बाद स्क्रूटनी का पहला चरण एक सप्ताह तक चलेगा और युवाओं की भर्ती एंट्री लेवल पर की जाएगी।

मेला लगाकर ग्रामीण युवाओं की भर्तियां की जाएगी

आरएसडीबीएम ट्रस्ट के चेयरमैन सुमित भ्याना बताते हैं कि इससे पहले ट्रस्ट की ओर से चलाई जा रही लाइब्रेरी के जरिए स्नातक और स्नातकोत्तर पास कर चुके युवाओं को भर्ती किया गया था। इनके बेहतर कार्य प्रदर्शन को देखते हुए आगामी स्तर पर इस तरह का रोजगार मेला लगाने का फैसला लिया गया है। आगामी महीनों में भी इस तरह के मेले लगाकर ग्रामीण युवाओं की भर्तियां की जाएगी। भविष्य में जिन भी गांवों में ग्रामोत्सव मेले लगेंगे, वहां पर इस तरह से युवाओं की भर्तियां की जाएगी। जिस तरह से हमने यह कदम उठाया है, हमारे बाद अन्य कंपिनयां भी इस तरह की सोच से आगे बढ़ेंगी और ग्रामीण युवाओं को ज्यादा अवसर मिल पाएंगे। अक्सर बढ़ते कंपीटिशन के कारण सभी युवाओं को सरकारी नौकरी नहीं मिल पाती है। इसलिए ग्रामीण युवाओं को भी प्राइवेट क्षेत्र में अवसर देने के लिए यह कदम उठाया है। फिलहाल एंट्री लेवल पर ऑपरेशन एग्जीक्यूटिव, अकाउंट एग्जीक्यूटिव, बैक आफिस एग्जीक्यूटिव, कस्टमर सर्विस एग्जीक्यूटिव जैसे पदों पर भर्तियां की जा रही है। इसके बाद कंपनी में उन्हें स्वयं ही काम सिखाया जाएगा। इससे गांव के जरूरतमंद बच्चों को मौका दिया जा सकेगा।

ट्रस्ट शहर में एंबुलेंस की नि:शुल्क सेवाएं भी दे रहा

बता दें कि आरएसडीबीएम ट्रस्ट शहर में एंबुलेंस की निशुल्क सेवाएं दे रहा है। हर वक्त विशेषकर बुजुर्गों को अस्पताल ले जाने और वापस घर छोड़ने के लिए कार और एंबुलैंस की सेवा है। शुरुआत में ट्रस्ट ने शहर में बुजुर्गों को ट्रस्ट का रजिस्टर्ड मेंबर बनाया। लेकिन अब गांव मायणा, बसाना, भाली आनंदपुर और सैंपल में भी यह सुविधा शुरू कर दी गई है। आरएसडीबीएम ट्रस्ट की ओर से शहर और 4 गांवों में 8 कार और 2 एंबुलेंस की सुविधा दी गई है। ट्रस्ट के रजिस्टर्ड सदस्यों के लिए यह सुविधा है। लेकिन महिलाओं के लिए सदस्यता का पैमाना नहीं है। अगर किसी भी महिला को डॉक्टर के पास जाने के लिए कार या एंबुलेंस की जरूरत है तो उपलब्ध करवा दी जाती है। गांव के लोग इस सुविधा का भरपूर लाभ उठा रहे हैं। आरएसडीबीएम ट्रस्ट के चेयरमैन सुमित भ्याना बताते हैं कि इसके अलावा ट्रस्ट के सदस्य बुजुर्गों का जन्मदिन नए साल पर मनाया जाता है। पहले शहर में ही मनाते थे, लेकिन अब गांवों में भी पहल की गई है। अधिकतर बुजुर्गों का जन्मदिन कोई मनाता ही नहीं, लेकिन ट्रस्ट की ओर से उनके जन्मदिन पर एक पौधा भी उपहार दिया जाता है। इसी से आगे बढ़ते हुए अब ग्रामीण युवाओं को रोजगार के मौके देने का भी फैसला लिया है, ताकि गांव के युवाओं को प्राइवेट क्षेत्र में काम करने का अवसर मिले और उनमें भी आत्मविश्वास पैदा किया जा सके।

48 हजार 250 क्विंटल चीनी का हो चुका उत्पादन

40 दिन में बिना रुकावट महम शुगर मिल ने 7 लाख क्विंटल गन्ने की पेराई की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

दी महम कोऑपरेटिव शुगर मिल महम का इस बार का पेराई सत्र सुचारू रूप से चल रहा है। पिछले 40 दिन में 7 लाख क्विंटल से अधिक गन्ने की पेराई हो चुकी है। लेकिन अब तक चीनी मिल की फैक्टरी का पहिया थमा नहीं है। मिल में किसी तरह की कोई तकनीकी खराबी नहीं आई है। बारिश की वजह से एक दो बार नो केन की समस्या आई थी। गन्ना पहुंचते ही फिर से पेराई शुरू कर दी गई थी। चीनी मिल के अधीक्षक विरेंद्र रोहिला ने बताया कि 12 दिसंबर को मिल में गन्ना पेराई की शुरूआत हुई थी। तब से अब तक मिल सुचारू रूप से चल रहा है। इस मिल में पिछले 36 दिनों में 6 लाख 71 हजार क्विंटल गन्ने की पेराई हो चुकी थी। अब यह आंकड़ा 7 लाख क्विंटल से पार पहुंच चुका है। 36 दिन में 48 हजार 250 क्विंटल चीनी का उत्पादन किया गया है। इस सीजन में 15 लाख क्विंटल गन्ने की पेराई होने का अनुमान है। मिल प्रबंधक दलबीर सिंह फोगाट की देखरेख में पिछले पेराई सत्र में भी मिल में कोई तकनीकी खराबी नहीं आई थी। जिस वजह से मिल सुचारू रूप से चला था। इस बार भी उनके मार्गदर्शन में सभी कर्मचारी कड़ी मेहनत कर रहे हैं। मिल एमडी दलबीर फोगाट किसानों की समस्या को बहुत अच्छे से समझते हैं, किसानों के बीच रहते हैं। मिल में किसानों के रहने और खाने की समुचित व्यवस्था की गई है। यदि किसी किसान को किसी भी प्रकार की परेशानी हो तो वे मिल एमडी से संपर्क कर सकते हैं।

महम। महम चीनी मिल। फाइल फोटो।

महम की बावड़ी

मुगल काल में हरियाणा के रोहतक जिले के महम में बावड़ी का निर्माण कराया गया था, जो कि बेहद खूबसूरत है। इस बावड़ी में एक कुआं भी है, जिस पर फारसी में एक शिलालेख लगा हुआ है। उसके मुताबिक इसे "स्वर्ग का झरना" कहा गया है। इसे ज्ञानी चोर की बावड़ी के नाम से भी जाना जाता है। दरअसल, इलाके का मशहूर ठग ज्ञानी चोर रात को अमीरों को लूटता था और दिन के समय उस पैसे से गरीबों की मदद करता था। वह छुपने के लिए इस बावड़ी में आता था।

डाक बंगले में चलते थे महम के सरकारी कार्यालय

झरोखा

राजकुमार नरवाल

आजादी से पहले महम इलाके का प्रशासनिक कामकाज अंग्रेजों द्वारा बनाए गए डाक बंगले से चलता था। यह डाक बंगला वर्तमान शहर पुलिस चौकी जगह पर होता था। डाक बंगला बहुत ही सुंदर और विशाल था और यहां पर गवर्नर व अन्य बड़े अंग्रेजी अफसर ठहरते थे। देश आजाद होने के बाद इस डाक बंगले में उपतहसील कार्यालय, पुलिस थाना, रेस्ट हाऊस और हवालात बनाए गए। दशकों तक अंग्रेजों के इस डाक बंगले से ही महम का प्रशासनिक कामकाज चलता रहा। तत्कालीन मुख्यमंत्री चौधरी बंसीलाल ने 1973 में महम को उपतहसील से तहसील बनाया था। यहां पर कई साल तक हरिसिंह ढाका तहसीलदार रहे। लोग उन्हें आज भी याद करते हैं। वे पूर्व वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु के ससुर और इंडस ग्रुप ऑफ स्कूल्स की डायरेक्टर एकता सिंधु के पिता थे। अंग्रेजों द्वारा बनाए गए इस डाक बंगले में ही महम की तहसील के कार्य संचालित किए जाते थे। 1973 तक महम की गोहाना तहसील होती थी। गोहाना उस वक्त रोहतक जिले का हिस्सा था। बाद में 1987 में तत्कालीन मुख्यमंत्री चौधरी देवीलाल ने महम को उपमंडल का दर्जा दिलाया। महम को उपमंडल का दर्जा तो मिल गया, लेकिन एसडीएम के बैठने के लिए ऑफिस नहीं था।

गजराज सिंह बने थे पहले एसडीएम

एचसीएस अधिकारी गजराज सिंह को यहां एसडीएम लगाया गया। उनका ऑफिस महाराजा अग्रसेन पब्लिक स्कूल में बनाया गया। गजराज सिंह महम के पहले एसडीएम थे और वे यहीं से सेवानिवृत हो गए। खेड़ी महम गांव स्थित शिवानंद आश्रम में एसडीएम का अस्थाई आवास बनाया गया था। तीन चार साल तक महाराजा अग्रसेन पब्लिक स्कूल की बिल्डिंग में ही एसडीएम कार्यालय का कामकाज होता रहा। बाद में एसडीएम व तहसील कार्यालयों की सरकारी बिल्डिंग बन गई थी।

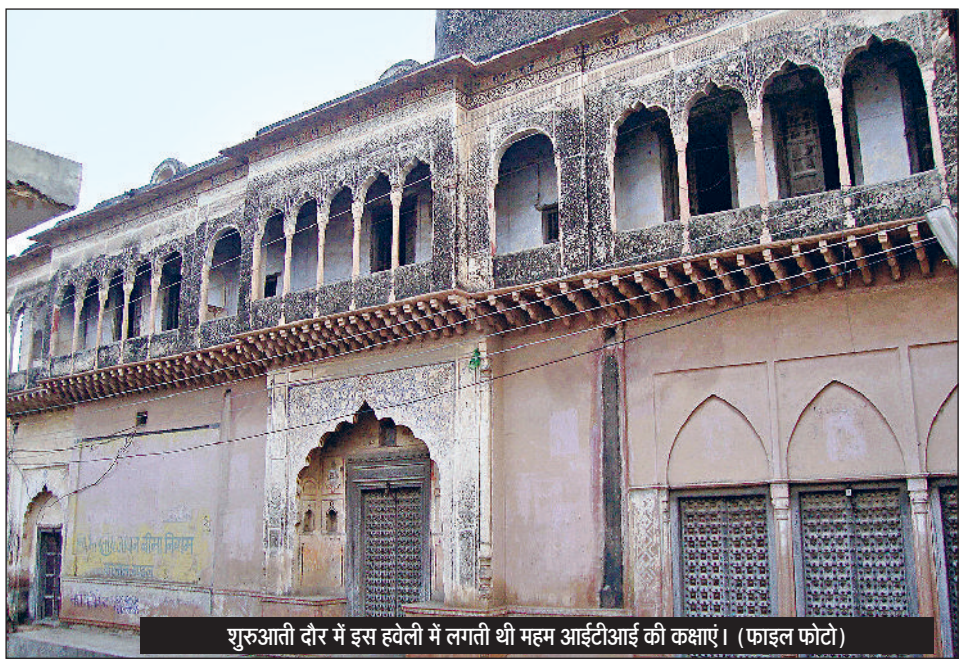

शुरुआती दौर में इस हवेली में लगती थी महम आईटीआई की कक्षाएं। (फाइल फोटो)

अंग्रेजी शासनकाल में बनाया गया महम नगर पालिका का पुराना भवन। (फाइल फोटो)

महाजनों की हवेली में आईटीआई

इसी तरह महम की आईटीआई की बात करें, तो यहां पर पहली बार 1979 में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बनाया गया। कई साल तक इस आईटीआई की कक्षाएं महाजनों की हवेली में लगाई गई। यह हवेली कस्बा महम के वार्ड 9 के कागला मोहल्ला में स्थित है। 1989 में आईटीआई की अपनी बिल्डिंग बनकर तैयार हुई। आईटीआई की बिल्डिंग का उद्घाटन तत्कालीन मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला ने 9 जनवरी 1990 में किया। उसके बाद यहां आईटीआई की कक्षाओं का संचालन शुरू हुआ।

1981 में इलाके के लोगों ने चंदा एकत्रित कर महम में एक प्राइवेट कॉलेज बनाया। इस कॉलेज का नाम चौबीसी डिग्री कॉलेज होता था। वर्ष 1987 में तत्कालीन मुख्यमंत्री चौधरी देवीलाल के आदेश पर इसे सरकारी कॉलेज बना दिया गया। 1981 में कॉलेज को विश्वविद्यालय से मान्यता तो मिल गई थी, लेकिन विद्यार्थियों के बैठने के लिए जगह नहीं थी। शुरूआती दौर में भिवानी रोड स्थित राजकीय उच्च विद्यालय के कमरों में कॉलेज की कक्षाएं लगाई गई। जब कॉलेज की बिल्डिंग बनकर तैयार हो गई, तब कक्षाओं को कॉलेज में शिफ्ट किया गया। तब तक स्कूल में ही कक्षाएं संचालित होती रही।

अंग्रेजों के जमाने की नगर पालिका

महम में नगर पालिका अंग्रेजों की जमाने की है। आजादी से पहले भी यहां नगर पालिका होती थी। पुराने बस स्टैंड के निकट प्राचीन कुंओं के पास वर्तमान में नगर पालिका की भव्य इमारत बनाई गई है। कुछ साल पहले तक नगर पालिका का कार्यालय बाजार में होता था, जिसको अब तोड़ दिया गया। लेकिन यदि उससे भी पहले की बात करें, तो पुराने जमाने में महम नगर पालिका का कार्यालय श्री राम स्कूल के पीछे वाल्मीकि मोहल्ले में होता था। अब वहां पर नगर पालिका ने सामुदायिक केंद्र बनाया हुआ है। बुजुर्ग बताते हैं कि महम में वर्तमान में जहां पर अब उपमंडल नागरिक अस्पताल है, यहीं पर पहले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र होता था।

4 अप्रैल 2000 को महम में बनी सिविल कोर्ट

महम बार एसोसिएशन के सीनियर एडवोकेट रोहतास राठी ने बताया कि महम में साल 2000 से पहले कोर्ट नहीं होता था। केवल तहसीलदार व एसडीएम कोर्ट ही थी। यहां सिविल कोर्ट 4 अप्रैल 2000 को शुरू हुआ। तत्कालीन तहसील कार्यालय की ऊपरी मंजिल में कोर्ट शुरू किया गया। कई साल बाद महम कोर्ट की बिल्डिंग बनी। महम के विकास में पूर्व उपप्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल का विशेष योगदान रहा है। वे महम हलके से विधायक बनकर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने।

तब उन्होंने अनेक सरकारी बिल्डिंग बनवाई। जिसमें यहां का टूरिस्ट कॉम्पलेक्स, किसान हवेली, तहसील की बिल्डिंग, एसडीएम कार्यालय, राजकीय औदयोगिक प्रशिक्षण संस्थान की इमारत, राजकीय महाविद्यालय और विश्राम गृह समेत कई सरकारी दफ्तरों के कार्यालय यहां पर बनाए गए। उन्होंने महम की बावड़ी को सुधारीकरण करवाया। चौबीसी चबूतरे का नवीनीकरण करवाया। महम को उपमंडल बनाना भी उन्हीं की देन है।

चौधरी देवीलाल तीन बार महम से बने विधायक

चौधरी देवीलाल ने सन् 1982 में लोकदल पार्टी से महम से विधायक बने। लोकदल पार्टी से और महम से ही वर्ष 1985 का विधानसभा चुनाव जीता। लोकदल से ही 1987 का चुनाव भी महम से ही जीता और वे महम के विधायक बने थे। इस दौरान महम के विकास को पंख लगे थे। महम की अनेक सरकारी इमारतें उसी समय की देन हैं।

- पहली बार महम उपमंडल बना तो महाराजा अग्रसेन पब्लिक स्कूल में बनाया गया था एसडीएम कार्यालय
- वर्ष 1973 में तहसील बनी थी महम और 1987 में महम को मिला था उपमंडल का दर्जा
- ग्रामीणों ने चंदे से प्राइवेट कॉलेज बनाया, फिर चौधरी देवीलाल ने उसका सरकारीकरण करवाया

कविता | सतपाल पराशर 'आनन्द'

देस छोडकै दूर गया

पीस्याँ खात्तर देस छोडकै दूर गया क्यूँ मनै बता
अपणी भासा भेस छोडकै दूर गया क्यूँ मनै बता

तेरी माँ का हाल बुरा सै खाणा पीणा कम होग्या
दिन म्हं तेरी बात छेड़दी रात म्हं चेहरा नम होग्या
सुरगाँ सा परिवेस छोडकै दूर गया क्यूँ मनै बता

आँस्सु ब्होत बहाए ब्याह म्हं याद तनै कर करकै नै
सुबक सुबक कै रोई बहणा माँ की कोळी भरकै नै
इक भिज्या संदेस छोडकै दूर गया क्यूँ मनै बता

भाई का दिल भारी रह सै पूछे जै कद आवैगा
रोण लागग्या मनै कह्या जद पीसा ब्होत कमावैगा
'आनन्द' म्हं न्यूँ क्लेस छोडकै दूर गया क्यूँ मनै बता

कविता | सुधीर ढांडा कौल

अपमान समझै सै

कुत्ते का पट्टा पकड़ कर चालण मै लोग शान समझै सै
बूढ़े माँ बाप की सेवा करण मै अपमान समझै सै।

पल मै भूल जावै सै लोग औकात अपणी,
थोड़ा सा पैसा आण पै जो खुद नै धनवान समझै सै।

इश्क का राह पै चलणा होवै सै बड़ा कठिन,
पता नी क्यूँ लोग इस राह नै इतनी आसान समझै सै।

इस युग मै पता नी कितने बापू पैदा होगे,
ढोंगी होते होए ही जिन्हे अपणा भगवान समझै सै।

टकटकी लगा कै देखै सै लड़कियाँ नै इस तरियाँ,
झूरियाँ पड़ जाणे पै भी बूढ़े खुद नै जवान समझै सै।

बेखोप हो कै करै सै जुर्म अमीरजादे दुनियाँ मै,
शहजादे कानून नै अपणे बाप की दुकान समझै सै।

अपणे खातर तो सारे जीवै सै दूनियाँ मै 'सुधीर',
दूसरों के खातर जीवै हम तो इसी नै इंसान समझै सै।

कविता | डॉ. फूल कुमार राठी

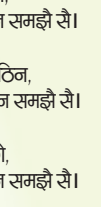

हरियाणे की बात निराली

भीतरले म्ह हेज घणा, पर मुंह पै गाली सै,
ज्याहें तैं मेरे हरियाणे की बात निराली सै।

मस्ती के फुव्वारे छुटैं, यकीन नहीं तो आकै देख,
हर दिन आड़ै तिज्यां-सा और रात दीवाली सै।

छोट्टा हो चाहे बड्डा हो, आड़ै सारे रंग रंगीले सैं,
ताऊ तो कती चाला सै और ताई चाली सै।

इसतैं बढ़ कै मान्यता कोई हो नहीं सकती,
सारे तीर्थ धाम आड़ै, ख़ुद की घरआली सै।

दो ही असली आन-बान, मेरे प्रदेश की,
सीमा पै सै जवान और खेतां म्ह हाली सै।

अपणी रीति-रिवाज नै थाम, कती छोड़ियो मतन्यां,
ना तो भाईयो थारा भी, फेर राम रूखाली सै।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

विमर्श | फूहड़ सांगों, अश्लील रागनियों और द्विअर्थी भोंडे चुटकुलों ने समृद्ध हरियाणवी बोली का बहुत अहित किया, इससे बढ़ना होगा आगे

हिंदी की सहभाषा है हरियाणवी : डॉ. रामनिवास 'मानव'

साहित्य | सत्यवीर नाहड़िया

हरियाणवी बोली प्राचीन काल से ही अत्यंत समृद्ध रही है तथा पालि, प्राकृत आदि अन्य भाषाओं की भांति, इसका विकास भी सीधे संस्कृत से हुआ है। स्पष्ट है कि बोली नहीं, हिंदी की सहभाषा है हरियाणवी। भाषा के आधार पर ही, पंजाब से अलग होकर, स्वतंत्र राज्य के रूप में अस्तित्व में आया था हरियाणा। हरियाणवी को तभी राजभाषा का दर्जा मिल जाना चाहिए था। यह मानना है हरियाणा के समकालीन हिंदी-साहित्य के प्रथम शोधार्थी तथा अधिकारी विद्वान डॉ. रामनिवास 'मानव' का, जिन्हें हरियाणा के समकालीन हिंदी-साहित्य पर प्रथम पीएचडी और प्रथम डीलिट होने का श्रेय प्राप्त है। यह दोहरा सम्मान और विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त करने वाले डॉ. 'मानव' हरियाणा के अद्यतन इकलौते विद्वान हैं।

इन पंक्तियों के लेखक के साथ 'हरियाणवी बोली बनाम भाषा' विषय पर बातचीत में जब डॉ. 'मानव' से पूछा गया कि आज तक हरियाणवी बोली भाषा क्यों नहीं बन पाई, तो इसके लिए उन्होंने सरकारों की उपेक्षा और गलत भाषा-नीति को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने स्पष्ट किया कि हरियाणवी का विकास किसी भी सरकार के एजेंडे में नहीं रहा। यही कारण है कि यहां पंजाबी, उर्दू और संस्कृत अकादमियां तो स्थापित हुईं, लेकिन हरियाणवी साहित्य अकादमी गठित करने का कभी किसी के दिमाग में विचार तक नहीं आया। यही नहीं, हरियाणवी को गंवई-गांव की बोली समझकर संभ्रांत और शिक्षित वर्ग द्वारा इसे हिकारत की नजर से देखा जाता रहा। डॉ. 'मानव' ने स्पष्ट किया कि हरियाणवी को भाषा बनाने के लिए हरियाणवी साहित्य अकादमी का गठन, हरियाणवी में स्तरीय पत्र-पत्रिकाओं का प्रकाशन, हरियाणवी का मानकीकरण, सृजनात्मक हरियाणवी साहित्य का समुचित मूल्यांकन,

अभी तक अधिकतर रचनाकारों ने, निजी स्तर पर ही सही, हरियाणवी बोली के विकास हेतु विशिष्ट एवं महत्वपूर्ण कार्य किया है, अब इसे अकादमिक और सरकारी स्तर पर सर्वोच्च प्राथमिकता देकर, आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। हरियाणवी व्याकरण के मानकीकरण के लिए गंभीर विमर्श की जरूरत है।

समकालीन हरियाणवी साहित्य पर उच्च स्तरीय शोधकार्य, शोध-समीक्षात्मक ग्रंथों का प्रकाशन, हरियाणवी व्याकरण और भाषा विज्ञान का लेखन-प्रकाशन, ठेठ हरियाणवी शब्दावली, मुहावरों, लोकोक्तियों और कथोक्तियों का संरक्षण, पाठ्यक्रम में हरियाणवी रचनाओं का समावेश और प्रदेश की प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम के रूप में हरियाणवी की मान्यता आवश्यक है। लेकिन दुर्भाग्य से सरकारों की उपेक्षा तथा समुचित भाषा-नीति के अभाव के कारण इनमें से कोई कार्य नहीं हो पाया। इन कार्यों के पूर्ण होने पर हरियाणवी बहुत पहले ही बोली से भाषा बन चुकी होती। डॉ. 'मानव' ने जोर देकर कहा कि भविष्य में भी उक्त कार्यों के संपन्न होने पर ही हरियाणवी बोली को भाषा का दर्जा मिल पाएगा। किंतु इसके लिए अभी तक गंभीर प्रयास न होना दुर्भाग्यपूर्ण है। 'हरियाणवी बोली और साहित्य' तथा 'हरियाणवी' नामक दो शोधपरक और समीक्षात्मक कृतियों सहित साठ महत्त्वपूर्ण पुस्तकों के लेखक-संपादक डॉ. 'मानव' बताते हैं कि हरियाणा प्रदेश के गठन के बाद अड़सठ वर्षों में हरियाणवी लोक-साहित्य पर बहुत शोध और समीक्षात्मक कार्य हो चुका है। फूहड़ सांगों, अश्लील रागनियों और द्विअर्थी भोंडे चुटकुलों ने समृद्ध हरियाणवी बोली का बहुत अहित किया है। समय आ गया है कि अब हम इनसे आगे बढ़कर, हरियाणवी बोली में रचित समकालीन सृजनात्मक साहित्य पर ध्यान केंद्रित करके उसके संवर्द्धन का प्रयास करें। तमिल भाषा के एक महान धार्मिक ग्रंथ के हरियाणवी दोहानुवाद में जुटे डॉ. 'मानव' का मानना है कि समकालीन हरियाणवी साहित्य पर प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों में अनिवार्य रूप में शोधकार्य करवाया जाए तथा हरियाणवी बोली और साहित्य पर निरंतर विचार-गोष्ठियां आयोजित की जाएं, तभी इस दिशा में सार्थक प्रगति हो सकती है। हरियाणा के लगभग एक दर्जन रचनाकारों पर शोधकार्य करवा चुके डॉ. 'मानव' कहते हैं कि हरियाणवी पद्य में बहुत स्तरीय सृजन हो रहा है, किंतु हरियाणवी गद्य में अभी बहुत-कुछ किया जाना शेष है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अभी तक अधिकतर रचनाकारों ने, निजी स्तर पर ही सही, हरियाणवी बोली के विकास हेतु विशिष्ट एवं महत्त्वपूर्ण कार्य किया है, अब इसे अकादमिक और सरकारी स्तर पर सर्वोच्च प्राथमिकता देकर, आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। डॉ. 'मानव' ने स्पष्ट किया कि हरियाणवी भाषी क्षेत्र बहुत विस्तृत है, अनेक विधाओं में विपुल हरियाणवी साहित्य प्रकाशित हो चुका है, हरियाणवी के कई इलेक्ट्रॉनिक चैनल भी चल रहे हैं, बॉलीवुड की कई फिल्में तथा टीवी सीरियल भी हरियाणवी बोली से प्रभावित रहे हैं, हरियाणवी रचनाधर्मिता पर कुछ अच्छे शोधकार्य भी हुए हैं, किंतु अभी बहुत कार्य होना बाकी है। हरियाणवी व्याकरण के मानकीकरण के लिए गंभीर विमर्श की जरूरत है, ताकि प्रदेश के बांगर, खादर, बागड़, अहीरवाल, मेवात, ब्रज आदि सभी सांस्कृतिक अंचलों को न्यायोचित मान-सम्मान मिल सके। वर्तमान स्थिति पर खेद प्रकट करते हुए डॉ. 'मानव' ने कहा कि अब भी कुछ लोग हरियाणवी से जुड़े कार्यों को बड़े हल्के में ले रहे हैं, जो उचित नहीं है। सभी हरियाणवी-प्रेमियों को एक साथ मिलकर इस बोली को भाषा बनाने की प्रक्रिया और प्रयास का पक्षधर और पोषक ही नहीं, सजग प्रहरी भी बनना पड़ेगा।

हर कला समाज निर्माण में सहायक : संजीत कौशिक

कलाकार | ओ.पी. पाल

हरियाणा की लोक कला और सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाते लोक कलाकार विभिन्न विधाओं में समाज को नई दिशा देने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे ही लोक कलाकारों में हास्य और व्यंग्य की विधा से मनोरंजन के माध्यम से अपनी कला के हुनर दिखा रहे हैं हरियाणवी कलाकार संजीत कौशिक। खास बात है कि वे शिक्षा विभाग हरियाणा में सहायक खंड शिक्षा अधिकारी के पद पर कार्यरत संजीत नई पीढ़ी को कबड्डी और कुश्ती के गुर सीखाकर एक कोच की भूमिका भी निभा रहे हैं, वहीं अपनी कला का हुनर से समाज को अपनी संस्कृति से जुड़े रहने का संदेश दे रहे हैं। कला के क्षेत्र में उन्होंने राजनीति, फिल्मी या अन्य किसी भी क्षेत्र की हस्तियों की हूबहू आवाज निकालकर कला के क्षेत्र में एक हास्य और मिमिक्री कलाकार के रूप में लोकप्रियता हासिल की है।

हास्य कलाकार संजीत कौशिक ने हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में अपनी कला के सफर को लेकर कहा कि कला क्षेत्र में मर्यादित और सकारात्मक रूप में प्रस्तुत की जाने वाली हरेक विधा समाजिक निर्माण में सहायक सिद्ध होती है। संजीत कौशिक का जन्म 26 जनवरी 1975 को जींद जिले के गांव फतेहगढ़ में भैयाराम शास्त्री एवं सत्यवती देवी के घर में हुआ। एक साधारण परिवार में किसी प्रकार का साहित्य या सांस्कृतिक माहौल नहीं था। जब संजीत कक्षा नौ में पढ़ रहे थे, तो साल 1990 में उनके परिवार को ब्रजपात से गुजरना पड़ा

यानी हिंदी शिक्षक रहे उनके पिता 38 साल की अल्पआयु में ही एक सड़क हादसे में स्वर्ग सिधार गए। परिवार पर छाए इस संकट के बावजूद संजीत ने अपने बचपन में कला के क्षेत्र की अभिरूचि को प्रभावित नहीं होने दिया। वह स्कूल में होने वाली बाल सभाओं में भागीदारी करके अपनी कला का प्रदर्शन करते रहे, जिसकी वजह से उनकी कला के क्षेत्र में रुचि बनी रही। बकौल संजीत कौशिक साल 2004 में 'सरकार आपके द्वार' अभियान के तहत उन्हें एक-दो कार्यक्रम गांव में मिले और सरकारी विद्यालय में नौकरी करते विद्यालय सभाओं के साथ उन्हें छोटे छोटे मंचों पर सांस्कृतिक कला के मौके मिले, जहां उनके चुटकले, अभिनय जैसी कला को लोग पसंद करने लगे, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ता गया और उनकी कला में कई विधाएं शामिल होती चली गई। उनका सौभाग्य रहा कि जहां भी उन्हें मौका मिला, वहीं उन्होंने सर्वश्रेष्ठ कला के हुनर दिखाया, जहां उन्हें हमेशा सराहना मिली। निजी रूप से उन्होंने स्टैंडअप कॉमेडी की मर्यादा में रहते हुए सांस्कारिक मनोरंजन, अभिनय जैसी विधाओं से समाज को सकारात्मक संदेश देने का ही प्रयास किया है। उनका मानना है कि व्यक्ति को अपने आप में जो भी हुनर है, उसको समाजहित में पेश करें, ताकि आने वाली पीढ़ी अपनी संस्कृति से जुड़ी रहे। संजीत कौशिक शिक्षा विभाग के खण्ड कार्यालय जुलाना में असिस्टेंट बीईओ के पद कार्यरत है, इसके बावजूद वे हरियाणी लोककला और संस्कृति के संवर्धन के मकसद से अपनी कला को धार देने में जुटे हुए हैं।

ऐसे मिली हास्य कला को मंजिल

हरियाणवी हास्य व मिमिक्री कलाकार एवं स्टेज एंकर संजीत कौशिक ने हरियाणवी फिल्मों एवं वेब सीरिज में अभिनय के रुप में भी अपनी कला का प्रदर्शन किया है। उन्होंने बताया कि स्टेज एप के लिए 12 एपिसोड सिंगल में स्टैंडअप कॉमेडी, चौधर वेब सीरीज में सहायक अभिनेता का किरदार, शक फ्रल्मि में बॉस, नूर फ्रल्मि में पापा तथा सपाट रस्ता फ्रल्मि में भाई का अभिनय करके अपनी कला से समाज को संस्कृति से जुड़े रहने का संदेश दिया है। उन्होंने हरियाण में विभिन्न मंचों पर हास्य एवं मिमक्री प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोहा है। वहीं वे उपमंडल स्तर पर आयोजित राष्ट्रीय पर्वों गणतंत्र दिवस व स्वतंत्रता दिवस पर मंच संचालन की भूमिका भी निभाते आ रहे हैं। संजीत शिक्षा विभाग में बच्चों को कुश्ती और कबड्डी के गुर सिखाकर उनके भविष्य को उज्जवल बनाने में जुटे हैं, जिन्हें कोच के रुप में भी पहचाना जाता है। आधुनिक युग में अभिनय, लोक कला, संगीत आदि की स्थिति को लेकर कलाकार संजीत कौशिक का कहना है कि यह बहुत ही खराब समय है और हर कोई अपने स्वार्थी ताम झाम में व्यस्त हैं। संस्कृति और संस्कारों बारे किसी का कोई ध्यान नहीं है।

ये मिले पुरस्कार

हास्य कलाकार संजीत कौशिक की हास्य-व्यंग्य एवं मिमिक्री कला तथा अभिनय के क्षेत्र में समाज और संस्कृति के लिए किये जा रहे उत्कृष्ट योगदान के लिए जिला स्तर व उपमंडल स्तर पर विभिन्न मंचों से उन्हें अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। कला परिषद हरियाणा कुरुक्षेत्र ने उन्हें साल 2019 में हरियाणवी हास्य अवार्ड से नवाजा था। इसके अलावा उन्होंने फिल्मों में अभिनय करके अपनी कला का प्रदर्शन किया है। खेल के क्षेत्र में एक कोच के रुप में उन्हें अनेक पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है।

खबर संक्षेप

हवा सिंह की हालत गंभीर हमलावर पकड़ से बाहर

बहादुरगढ़। दो दशक से पुरानी रंजिश का शिकार हुए हवा सिंह की हालत गंभीर है। उसे पीजीआई रोहतक रेफर किया गया है। वहीं, हमलावर अभी पुलिस की पकड़ से बाहर हैं। उन तक पहुंचने में बादली थाना पुलिस सहित अन्य टीमें लगातार भागदौड़ कर रही हैं। पुलिस द्वारा जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार करने की बात कही जा रही है। गांव छुड़ानी में शनिवार की देर शाम को गोलियां चल गई थी। पहले गांव के अड्डे पर हवा सिंह को गोलियां मार दी गई। इसके बाद एक ईंट भट्ठे पर स्थित परचून की दुकान चला रहे रविदत्त पर फायरिंग की गई। रविदत्त ने जैसे तैसे दुकान बंद कर अपना बचाव किया। उधर, लोगों ने घायल हवा सिंह को संभाला और बहादुरगढ़ के एक निजी अस्पताल में ले गए। उसकी हालत गंभीर थी। इसके बाद उसे पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया। दूसरी तरफ पुलिस ने वारदात स्थल पर जांच की और हमले में बाल बाल बचे रविदत्त के बयान लिए। वारदात बाइक पर सवार होकर आए दो युवकों ने अंजाम दी थी। इनमें एक युवक इसी गांव का अनूप बताया जा रहा है। बताते हैं कि वर्ष 2000 में अनूप के पिता महावीर की हत्या कर दी गई थी। तभी से रजिश चली आ रही है।

मोबाइल छीनने के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

बहादुरगढ़। रोहतक-दिल्ली रोड पर करीब दो महीने पहले एक युवती से हुई मोबाइल छीनने की वारदात पुलिस ने सुलझा ली है। सेक्टर-6 थाना पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने छीना गया मोबाइल तथा वारदात में इस्तेमाल की गई स्कूटी बरामद की है। थाना प्रभारी कर्मवीर दहिया के अनुसार, एक युवती ने शिकायत दी थी कि वह दिल्ली एयरपोर्ट पर काम करती है। गत 25 नवंबर को वह ड्यूटी से घर लौट रही थी। जब रोहतक रोड पर मेट्रो पिलर 903 के पास पहुंची तो पीछे से स्कूटी सवार दो युवक आए और मोबाइल छीनकर भाग गए। इस संबंध में आरोपियों की तलाश की जा रही थी। एएसआई राजू की टीम ने मामले में दो आरोपी पकड़े हैं। आरोपियों की पहचान धर्मपाल व आकाश के रूप में हुई है। धर्मपाल मूलतः यूपी से है और यहां लाइनपार में रहता है। जबकि आकाश पानीपत से है और यहां छोटूराम पार्क में रहता है। दोनों आरोपी न्यायिक हिरासत भेज दिए हैं।

दूषित पानी की सप्लाई के चलते खरीदकर पानी पीने को मजबूर लोग

भरत कॉलोनी में हो रही दूषित पेयजल की सप्लाई, लोगों में रोष

रोहतक। दूषित पानी दिखाते हुए कॉलोनी के लोग। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर की भरत कॉलोनी में पिछले काफी समय से दूषित पेयजल की सप्लाई हो रही है। समस्या से ग्रस्त लोगों को बाहर से पानी खरीद कर लाना पड़ रहा है। ऐसे में लोगों का समय तो बर्बाद हो ही रहा है, साथ ही उनकी जेब पर भी प्रभाव पड़ रहा है। लोगों ने जनस्वास्थ्य विभाग को शिकायत भी की है, लेकिन अधिकारियों द्वारा समस्या का स्थाई समाधान नहीं किया गया है।

भरत कॉलोनी निवासी ज्योति हुड्डा, प्रेमलता, जयपाल, उमेश समेत अन्य लोगों का कहना है कि दूषित पानी में बदबू आने से पूरे घर में बदबू का माहौल हो जाता है। पानी इतना दूषित है कि लोग इसमे कपड़े तक नहीं धो सकते। इसके चलते नलो में भी बदबू बनी हुई है। बहुत बार तो सप्लाई में मिट्टी तक आने लगती है। लोगों द्वारा समय पर पानी का बिल भरने के बावजूद भी विभाग द्वारा सुविधा नहीं दी जा रही है। जिस समय विभाग के जेई को शिकायत की तो उन्होंने कहा कि आप अपने घरों की टंकी को साफ कर लो ताकि साफ पेयजल ही टंकी में भरा जा सके। लेकिन लोगों ने पानी की टंकी भी साफ की हुई है। उसके बावजूद भी घरों में दूषित पानी ही सप्लाई हो रहा है। लोगों का कहना है कि नागरिकों को स्वच्छ पानी उपलब्ध कराना प्रशासन की जिम्मेदारी होती है। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की है कि उनकी समस्या का तुरंत समाधान करें और सभी शहर वासियों को साफ पानी मुहैया कराएं। जल्द समस्या का समाधान नहीं किया गया तो वह प्रदर्शन करने पर मजबूर होंगे।

जल्द करवाया जाएगा समाधान

अगर इस तरह की कोई समस्या है तो उसका तुरंत समाधान किया जाता है। फिर भी समस्या बनी हुई है तो उसके लिए टीम भेजकर समाधान करवा दिया जाएगा। आमजन को पीने के पानी के लिए परेशान नहीं होने दिया जाएगा।

रोहित कुमार, कार्यकारी अभियंता, जनस्वास्थ्य व अभियांत्रिकी विभाग

पूर्व मेयर मनमोहन गोयल ने जताया शोक

रोहतक। जिला लोक सम्पर्क एवं शिकायत निवारण समिति के पूर्व सदस्य ललित मोहन सैनी के छोटे भाई रवि सैनी के निधन पर शोक जताने उनके आवास पर विभिन्न राजनैतिक व सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि पहुंचे। रवि सैनी की अंतिम अरदास 26 जनवरी को 2 से 3 बजे सैनी धर्मशाला चमनपुरा राहड़ रोड़ पर होगी। हरियाणा के मुख्यमंत्री के ओएसडी गजेन्द्र फौगाट, पूर्व मेयर मनमोहन गोयल, पूर्व पार्षद बिजेंद्र जैन, हरियाणा व्यापार मंडल के अध्यक्ष अनिल भाटिया, पूर्व निगम पार्षद सूरजमल किलोई, अशोक खुराना, एडवोकेट सुरेन्द्र लोरा, चेतना अरोड़ा, जोगेन्द्र मोर, सैनी संस्था के प्रधान अवनिश सैनी, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र भारत, सुरेन्द्र काले, महिला कांग्रेस की प्रदेश उपाध्यक्ष रीतुराज सैनी सहित अनेक सामाजिक, राजनैतिक संस्थाओं के प्रतिनिधि पहुंचे।

परनाला फाटक के निकट रेलवे ट्रैक पर मिला शव, छाती से ऊपर का हिस्सा गायब

बहादुरगढ़। परनाला फाटक के निकट रेलवे ट्रैक पर युवक का शव मिला है। हैरानी भरी बात ये कि छाती से ऊपर का हिस्सा गायब है। पुलिस ने शव को नागरिक अस्पताल में रखवा दिया है। पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं और शव के बाकी हिस्से को भी तलाशा जा रहा है। यह घटना शनिवार की है। ट्रैक पर एक युवक का कटा हुआ शव देखा गया लेकिन छाती से ऊपर का हिस्सा गायब था। जीआरपी टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने घंटों तक रेल लाइन के आसपास का एरिया खंगाल डाला लेकिन गर्दन सहित अन्य ऊपरी हिस्सा नहीं मिला। मृतक युवक की उम्र करीब 20 साल आंकी जा रही है। युवक कौन है, यह फिलहाल सवाल बना हुआ है। पहचान के लिए पुलिस प्रयास कर रही है। परनाला, छोटूराम नगर, एमआईई सहित अन्य कॉलोनियों में लोगों से संपर्क किया जा रहा है। आशंका जताई जा रही है कि शरीर का ऊपरी हिस्सा ट्रेन के किसी हिस्से में फंस गया होगा। जांच अधिकारी प्रदीप कुमार का कहना है कि शव को 72 घंटे के लिए नागरिक अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया है। छाती से ऊपर का हिस्सा गायब है। उसे भी तलाशने के प्रयास हो रहे हैं।

गाय बेचने के नाम पर ठगे 28 हजार पांच सौ रुपये

झज्जर। गांव खेड़ी होशदारपुर में एक व्यक्ति ने फेसबुक पर देखी गाय की फोटो के बाद उसे खरीदने के चक्कर में साढ़े अट्ठाइस हजार रुपये की चपत लगवा ली। पुलिस को दी शिकायत में खेड़ी होशदारपुर निवासी भूपेंद्र ने बताया कि वह ट्रैक्टर चालक का काम करता है। बीती 26 दिसंबर को उसे फेसबुक पर एक गाय की फोटो देखी। वहां दर्शाये गए नंबर पर जब उसने बात की तो विक्रेता सोनू ने बताया कि वह जयरामपुरा राजस्थान का निवासी है। भूपेंद्र के अनुसार गाय खरीदने की फाइनल होने पर उसने उसे विश्वास में लेकर गाय की पूरी कीमत जो कि 28 हजार 5 सौ रुपये थी वह अपने अकाउंट में ट्रांसफर करवा लिए। इसके बाद उसे पता चला कि उससे गाय बेचने के नाम धोखाधड़ की गई है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर नियमानुसार आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

स्वयंसहायता समूह के नाम पर 4.06 लाख रुपये की धोखाधड़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

- पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी

स्वयं सहायता समूह के नाम पर 4.06 लाख रुपये की धोखाधड़ी कर दी गई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के जिला कार्यक्रम प्रबंधक विनोद कुमार ने एसपी को शिकायत दी। इसमें बताया कि वह गांव करौंथा का रहने वाला है। हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब परिवारों की महिलाओं के स्वयं सहायता समूह बनाए जाते हैं । इन समूहों पर गांव में ही इनके ग्राम संगठन बनाए जाते हैं। इन ग्राम संगठनों को अपनी आजीविका शुरू करने और आपसी लेन-देन के लिए कम्युनिटी इन्वेस्टमेंट फंड सरकार द्वारा मुहैया करवाया जाता है। इसी योजना के तहत गांव सिंहपुरा में महिला ग्राम संगठन का गठन किया गया। नौ अक्टूबर 2020 को पीएनबी में उनका खाता खुलवाया गया। सरकार ने इस ग्राम संगठन को तीन लाख 75 हजार रुपये की राशि 10 अक्टूबर 2021 को जारी की। राष्ट्रीय स्तर पर चल रहे ऑडिट अभियान के तहत इस संगठन के खाते की स्टेटमेंट मांगी गई। इसमें पता चला कि खाते से 4 लाख 6 हजार 877 रुपये का डिमांड ड्राफ्ट बनवाया गया है। सीमा से अधिक सीआईएफ निकलवाने की वजह से उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। ऑडिट रिपोर्ट जमा करवाने के लिए कहा गया। खंड कार्यक्रम प्रबंधक ने बताया कि गांव में ग्राम संगठन द्वारा कोई लेनदेन संबंधित जानकारी नहीं है। गांव में ग्राम संगठन की बैठक भी नहीं होती। शिकायतकर्ता ने बताया कि इसके बाद बैंक से बाउचर और रिसिप्ट की जानकारी मांगी। इसमें पता चला कि यह खाता बंद किया जा चुका है। खाते से चार लाख छह हजार 877 रुपये का डिमांड ड्राफ्ट बैंक द्वारा जारी किया जा चुका है। खाता बंद करने के लिए भी फर्जी पत्र जारी किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि यह जिला मिशन निदेशक कम सीईओ की नकली स्टंप और झूठे हस्ताक्षर करके जालसाजी से किया गया है। जिससे सरकार को 406877 रुपये की नुकसान पहुंचा है। पुलिस ने शिकायत के आधार मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

साइबर ठगों से निपटने के लिए पुलिस अलर्ट पुलिस अधीक्षक ने जारी की एडवाइजरी

- वारदात होने पर 1930 या 112 पर तुरंत डायल करे
- साइबर क्राइम की साइट पर जाकर ऑनलाइन भी दर्ज कर सकते हैं शिकायत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

साइबर ठग लोगों को अपने जाल में फसाने के लिए अलग-अलग तरह के प्रलोबन दे रहे हैं। ऑनलाइन ऐप के माध्यम से उन पर किसी भी तरह का ऑफर देकर लोगों के खाते खाली कर रहे है।

ऐसे में रोजाना लोगों के साथ साइबर ठगी हो रही है। अगर किसी के साथ इस तरह की ठगी होती है तो वह तुरंत 1930 या 112 व साइबर की ऑनलाइन साइट पर जाकर तुरंत अपने पैसों को बचा सकता है। एसपी नरेन्द्र बिजारणिया ने आमजन को जागरूक करने के लिए एडवाईजरी जारी की है। इसमें बताया गया है कि साइबर अपराधियों से बचने के लिए खुद को जागरुक व सावधान रखनें की आवश्यकता है। आज के समय में साइबर अपराध से बचने के लिए सावधान रहना जरूरी है। इसके लिए फोन में प्राप्त ओटीपी या बैंक संबंधी जानकारी किसी अन्जान व्यकित के साथ सांझा न करें। न ही किसी फोन में प्राप्त किसी अन्जान लिंक आदि पर क्लिक करें।

सोशल मीडिया (फेसबुक तथा इंसटाग्राम) पर प्राईवेसी सिक्योरिटी लगाकर रखें। अपने अकाउंट का मजबूत पासवर्ड बनाए और समय-समय पर बदलते रहें। अगर आप किसी ऑनलाइन ऐप से लोन ले रहे हैं तो सावधान रहें, क्योंकि पहले यह ऐप चंद मिनट में ऑनलाइन लोन देते हैं और लोन अप्रूवल करवाने के नाम पर एप्लीकेशन इंस्टॉल करवा कर फोन हैक कर लेते हैं। इसके बाद फोन से सभी प्राइवेट डेटा भी चुरा लेते हैं। इसके बाद लोन लेने वाले ग्राहक के परिजनों या दोस्तों को अश्लील मैसेज भेजने की धमकी देकर कर लोन लेने वाले ग्राहक को ब्लैकमेल किया जाता हैं।

अनजान ऐप से लोन लेने की कोशिश न करें

हर किसी एप्लिकेशन से लोन नहीं लेना चाहिए और लोन लेने से पहले सभी शर्तों को पढ़ना चाहिए। क्योंकि लोन अप्रूवल करवाने के लिए एप्लीकेशन इंस्टॉल करवा कर हैकर आपके फोन का सारा डाटा चुरा लेते हैं। मनी ट्रांसफर एप्लिकेशन (गुगल पे, फोन पे)आदि को सावधानिपूर्वक प्रयोग करें। याद रहे जब भी आप इन एप्स के द्वारा अपनें बैंक की पिन डाल रहें है तो पैसा आपके खाते से किसी दूसरे के खातें में जा रहा है और इन एप्स के माध्यम से प्राप्त मनी रिक्वेस्ट इत्यादि पर क्लीक न करें। ठगी होने पर नजदीक पुलिस स्टेशन में जाकर साइबर हेल्प डेस्क अथवा साइबर क्राईम थाना की मदद ले।

ऐसे करें बचाव

आमजन को साइबर अपराधियों से सतर्क रहना चाहिए। इसलिए समय-समय पर एडवाईजरी जारी की जाती है। अगर किसी के साथ इस तरह की ठगी होती है तो वह तुरंत 1930 या 112 व साइबर की ऑनलाइन साइट पर जाकर तुरंत अपने पैसों को बचा सकता है।

नरेन्द्र बिजारणिया, एसपी रोहतक

जल स्त्रोतों को बचाना समय की बड़ी जरूरत : डॉ. जसमेर सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। स्वयंसेवकों के साथ मौजूद 'सुनो नहरों की पुकार' मिशन के पदाधिकारी।

- जल प्रदूषण नहीं करने का संकल्प दिलवाया

प्राकृतिक जल स्त्रोतों के साथ-साथ नहरों के जल को बचाना और उसे प्रदूषण मुक्त रखना आज के समय की बड़ी जरूरत है, वरना हमारे क्षेत्र में बड़ा जल संकट और कई बीमारियों को झेलना पड़ सकता है। जाट वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में एनएसएस के वॉलिंटियर्स को संबोधित करते हुए यह बात सुनो नहरों की पुकार मिशन के मुख्य संरक्षक डॉ. जसमेर सिंह ने कही। इस दौरान वॉलिंटियर्स को जल बचाने और उसे प्रदूषित न करने का संकल्प भी मिशन टीम द्वारा दिलवाया गया। एनएसएस वॉलिंटियर्स को जल जनित बीमारियों से बचाव, रक्तदान करने और जीवन में खेलों के महत्व पर भी टीम द्वारा जानकारी दी गई।

सुनो नहरो की पुकार मिशन के मुख्य संरक्षक ने कहा लोगों द्वारा इन जीवनदायिनी नहरों में किसी न किसी बहाने से प्लास्टिक या ऐसा सामान डाल दिया जाता है जिसके कारण जल प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार माइक्रो प्लास्टिक पहले केवल समुद्री जीवों में पाया गया था, लेकिन आज मानव रक्त में भी माइक्रो प्लास्टिक के कण पाए जाने लगे हैं, इसलिए हम कह सकते हैं कि किसी न किसी रूप में जो हमारे द्वारा प्लास्टिक नहरों के पानी में डाला जा रहा है और वह पाइप के जरिए हमारे घरों में ही आ रहा है। इसलिए समाज को जागरूक होना पड़ेगा, आने वाले समय में नहरों, नदियों को बचाना होगा। इनमें किसी भी प्रकार का सामान ना डालकर जल प्रदूषण की मात्रा को कम करना होगा।

मुकेश नैनकवाल ने बच्चों को जल जनित बीमारियों के बारे में जागरूक किया

मिशन के महासचिव एवं साइक्लिस्ट मुकेश नैनकवाल ने बच्चों को जल जनित बीमारियों के बारे में जागरूक किया। उन्होंने ने बताया कि भारत को 2030 तक मलेरिया मुक्त करने में विभाग के साथ साथ आम जन की भागीदारी भी अति आवश्यक है। मिशन के सह सचिव अजय हुड्डा ने बताया कि रक्तदान महादान है, इससे हम एक इंसान की जिंदगी बचाने के साथ-साथ अपने शरीर की पूर्ण जांच भी करवा पाते हैं। उन्होंने बच्चों को खान-पान के बारे में भी जानकारी दी। मिशन के वरिष्ठ सदस्य व अंतरराष्ट्रीय धावक रणवीर मलिक ने बच्चों को बताया कि पानी हमारे जीवन में किस प्रकार से अति आवश्यक है। उन्होंने एक उदाहरण देते हुए बताया कि एक खिलाड़ी के लिए पानी जीवन दान के रूप में काम करता है। स्कूल के प्रिंसिपल वीरेंद्र तोमर और एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी रेखा मलिक ने सभी का आभार व्यक्त किया।

अब नेशनल वाटरपोलो में दम दिखाएगा 'हरियाणा'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

कड़ाके की सर्दी के बावजूद वाटरपोलो नेशनल गेम्स जीतने के लिए हरियाणा के खिलाड़ी स्विमिंग पूल में खूब पसीना बहा रहे हैं। बहादुरगढ़ की एचएल सिटी में स्थित एक्वेटिक चैंपियंस ऑल वेदर स्विमिंग पूल में खिलाड़ी पिछले 10 दिन से लगातार कड़ी मेहनत कर रहे हैं। ताकि वे हल्द्वानी में आयोजित नेशनल वाटर पोलो गेम्स में प्रदेश के लिए पदक हासिल कर सके।

बता दें कि उत्तराखंड के हल्द्वानी में 28 जनवरी से 4 फरवरी तक नेशनल गेम्स का आयोजन किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में हरियाणा की मेंस और वूमेन वॉटरपोलो टीम भी भाग लेंगी। हरियाणा की दोनों टीमों के 26 खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए प्रदेश को देशभर में टॉप 8 टीमों में जगह दिलाई है। हरियाणा स्विमिंग एसोसिएशन के महासचिव अनिल खत्री ने बताया कि 10 जनवरी को हरियाणा की दोनों टीमों का कैंप बहादुरगढ़ के एचएल सिटी में स्थित एक्वेटिक चैंपियन ऑल वेदर स्विमिंग पूल में शुरू हुआ था। यह कैंप 26 जनवरी तक चलेगा। यहां खिलाड़ी सुबह और शाम के समय स्विमिंग पूल में लगातार कड़ी मेहनत कर रहे हैं। ताकि प्रदेश को नेशनल पदक जिता सकें। उनके अनुसार हरियाणा तैराकी संघ के प्रधान धर्मबीर सिंह की दूरदर्शी सोच के कारण ही ऑल वेदर स्विमिंग पूल तैयार हुए हैं। जहां हरियाणा के तैराक और वाटरपोलो के खिलाड़ी अपनी तैयारी कर रहे हैं। कैंप में सभी खिलाड़ी हरियाणा तैराकी संघ के सदस्य सुरेश जून के मार्गदर्शन में ट्रेनिंग कर रहे हैं। प्रतिभागी खिलाड़ियों को भी इस बार नेशनल गेम्स में पदक हासिल करने की उम्मीद है।

मकान से लाखों के आभूषण और नकदी ले उड़े चोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

शहर में चोरी के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे। आए दिन किसी ने किसी कॉलोनी में चोरी की वारदात हो रही है। अब मॉडल टाउन में एक बंद मकान को चोरों ने निशाना बना लिया। ताले तोड़कर चोर मकान में घुसे और 37 हजार रुपये की नकदी सहित करीब 20 तोला सोने के आभूषणों पर हाथ साफ कर गए। इस संबंध में मकान मालिक की ओर से पुलिस को शिकायत दे दी गई है। सिटी पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में मॉडल टाउन के निवासी मुकेश कुमार का कहना है कि उसकी बेटी जयपुर में पढ़ती है। वह घर में अकेला ही रहता है। गत 17 जनवरी को वह मेहंदी पुर बालाजी चला गया था। पीछे से मकान बंद था। इसी दौरान चोरों ने मकान को निशाना बना लिया। जब घर आया तो गेट पर लगे ताले टूटे हुए थे। अंदर सारा सामान बिखरा पड़ा था। जांच के दौरान 37 हजार रुपये की नकदी व 20 तोला सोने के आभूषण गायब मिले। फिर पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर सिटी थाने से पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। जांच अधिकारी पीएसआई प्रमोद का कहना है कि इस संबंध में केस दर्ज कर लिया गया है। चोरों तक पहुंचने के लिए सीसीटीवी फुटेज चेक की जा रही है। जल्द से जल्द वारदात को सुलझाने की कोशिश है। बता दें कि बहादुरगढ़ में चोरी की वारदात बढ़ रही हैं। बंद मकान, दुकान दिखते ही चोर ताले चटका देते हैं। मॉडल टाउन में ही कुछ दिन पहले एक मकान में वारदात हुई थी। इसके अलावा गत 16 जनवरी की रात को लाइनपार के हरि नगर स्थित मकान में चोरी हुई।

आचार्य पवनवीर ने सत्संग में भक्तों को बताया सत्संग का महत्व

भगवान श्रीराम के जीवन से लें प्रेरणाः आचार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

आर्य जगत के वैदिक विद्वान आचार्य पवनवीर, प्रबंधक आदर्श गुरूकुल दूधली, खतौली-मुजफ्फरनगर (उत्तर प्रदेश) ने रविवार को महाशय धर्मचंद गांधी आर्य समाज मंदिर मानसरोवर कॉलोनी में सत्संग में वैदिक मंत्रों से यज्ञ करवाते हुए यज्ञ की महता बताई। मर्यादापुरुषोत्तम श्रीराम के जीवन-चरित्र पर अपने विचार प्रस्तुत करते हुए उन्होंने कहा कि हम सब को भी श्रीराम जैसा अपने जीवन में व्यवहार करना चाहिए। महर्षि दयानन्द सरस्वती ने ईश्वर का मुख्य नाम ओम् बताया है। उन्होंने वेदों का अध्ययन करना, नारियों को शिक्षित करना, छुआछूत को दूर करना, गौ माता का पालन करना आदि बतलाया है। आचार्य पवनवीर ने बताया कि हमें उस निराकार, सर्वशक्तिमान, सर्वव्यापक ईश्वर की उपासना सच्ची श्रद्धा से करनी चाहिए। यशपाल भाटिया ने महामंत्र गायत्री मंत्र का बहुत सुंदर शब्दों में भावार्थ बताया। गोगिया ने अपनी मधुर आवाज में बहुत सुंदर प्रभु भक्ति का भजन मेरे दाता भला करना कि तेरी मेरी तोड निभ जाए प्रस्तुत किया। मंत्री मीना भाटिया ने आचार्य पवनवीर के जन्मदिन पर उनके उत्तम स्वास्थ्य और उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने सत्संग में उपस्थित सभी का धन्यवाद किया। सत्संग में नन्दलाल, रमेश चंद्र मल्होत्रा, डॉ. रोहतास देसवाल, सुरेंद्र, कृष्णा गांधी, फूला रानी, संतोष आहूजा आदि उपस्थित रहे।

सैनिक स्कूल रेवाड़ी में छठी व नौंवी कक्षा में प्रवेश परीक्षा के लिए 23 तक आवेदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए लड़के व लड़कियों के लिए सीटें निर्धारित

उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने बताया कि रेवाड़ी स्थित सैनिक स्कूल में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए छठी व नौंवी कक्षा में प्रवेश के लिए 23 जनवरी तक ऑनलाइन आवेदन की अवधि को बढ़ाया गया है। आवेदन की फीस 24 जनवरी तक क्रेडिट, डेबिट, नेट बैंकिंग, यूपीआई के माध्यम से जमा करवाई जा सकती है। अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा की तिथि वेबसाइट पर अपलोड कर दी जाएगी। यह लिखित परीक्षा बहु वैकल्पिक प्रश्न की ओएमआर आधारित परीक्षा होगी। उपायुक्त ने बताया कि ऑनलाइन

धीरेंद्र खड़गटा (उपायुक्त)

आवेदन के विवरण में 26 से 28 जनवरी तक शुद्धिकरण किया जा सकेगा। हरियाणा के लड़के व लड़कियों के लिए रेवाड़ी सैनिक स्कूल रक्षा मंत्रालय का प्रमुख संस्थान है। इसलिए हरियाणा के लड़के व लड़कियों के लिए इस स्कूल की 67 प्रतिशत सीटें आरक्षित की गई हैं, जबकि देश के अन्य राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों के लड़के व लड़कियों के लिए 33 प्रतिशत सीटें ओपन रखी गई हैं। छठी कक्षा में प्रवेश के लिए लगभग 75 सीटें उपलब्ध हैं, जिनमें से 65 सीटें लड़कों तथा 10 सीटें लड़कियों के लिए आरक्षित हैं। इसी प्रकार नौंवीं कक्षा में प्रवेश के लिए 25 सीटें उपलब्ध हैं, जिनमें से 23 सीटें लड़कों तथा 2 सीटे लड़कियों के लिए आरक्षित हैं। उपलब्ध सीटों की संख्या में बदलाव भी हो सकता है।

छठी कक्षा के लिए 300 और नौंवी कक्षा में प्रवेश के लिए 400 अंकों की होगी परीक्षा

छठी कक्षा के लिए 300 अंकों की प्रवेश परीक्षा होगी, जिसमें 125 प्रश्न होंगे। नौंवी कक्षा में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा के 400 अंक होंगे, जिसमें विभिन्न विषयों के 150 प्रश्न शामिल होंगे। आवेदन के लिए 13 जनवरी 2025 तक वेबसाइट **www.exams.nta.ac.in/AISSEE** पर ऑनलाइन पंजीकरण करवाना अनिवार्य होगा।

कक्षाओं में प्रवेश परीक्षा की मेरिट एवं मेडिकल फिटनेस के आधार पर होगा

उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने बताया कि इन कक्षाओं में प्रवेश अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा की मैरिट एवं मेडिकल फिटनेस के आधार पर होगा। कुल सीटों की 15 प्रतिशत अनुसूचित जाति, साढ़े 7 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति तथा 27 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रहेंगी। शेष सीटों की 25 प्रतिशत सीटें रक्षा मंत्रालय में कार्यरत सैनिकों व भूतपूर्व सैनिकों के बच्चों के लिए आरक्षित रहेंगी। धीरेंद्र खड़गटा ने बताया कि छठी कक्षा में प्रवेश के लिए आवेदक का जन्म 1 अप्रैल 2013 से 31 मार्च 2015 के बीच हुआ हो। नौंवी कक्षा में प्रवेश के लिए आवेदक का जन्म 1 अप्रैल 2010 से 31 मार्च 2012 के बीच हुआ हो।

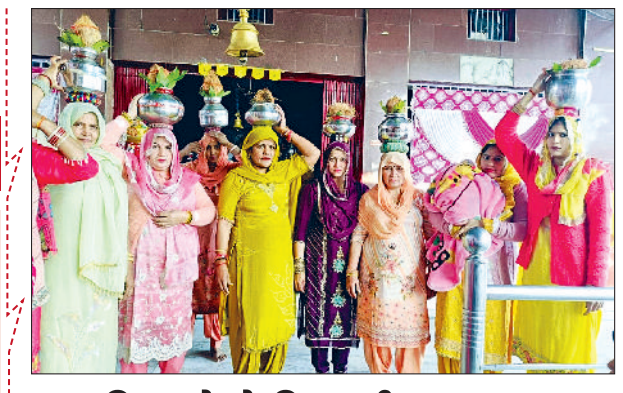

महिलाओं ने निकाली कलशयात्रा

सांपला। गांव भैंसरु खुर्द गांव में रविवार को महिलाओं ने एक भव्य कलश यात्रा निकाली गई। बैंड- बाजे और भजनों की मधुर धुन के बीच निकली इस यात्रा में महिलाओं ने आकर्षक नृत्य कर माहौल को भक्तिमय बना दिया। कलशयात्रा का शुभारंभ शिव मंदिर से शुरू होकर गांव के चारों तरफ घूम कर वापस मंदिर पर संपन्न हुई। जगह- जगह रास्तों पर श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा भी की गई। मंदिर कमेटी ने बताया कि सोमवार को मंदिर में सुबह हवन यज्ञ होगा। उसके बाद भंडारा शुरू किया जाएगा।

जय श्रीराम के जयकारे लगाते हुए बालाजी धाम डोभ पहुंचे भक्त

रोहतक। पैदल ध्वजा यात्रा में भाग लेते बालाजी धाम गांव डोभ के संस्थापक प्रधान पुरुषोत्तम दास बंसल।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

भिवानी रोड स्थित बालाजी धाम गांव डोभ के संस्थापक प्रधान पुरुषोत्तम दास बंसल ने बताया कि शनि देव मित्र मंडल तेज कॉलोनी द्वारा दुर्गा भवन मंदिर भिवानी स्टैंड से पैदल ध्वजा यात्रा निकाली गई। यह यात्रा प्रत्येक रविवार को बालाजी धाम डोभ के लिए चलती है। धाम पर संकीर्तन, स्वास्थ्य जांच शिविर व भंडारे का आयोजन किया जाता है। दुर्गा भवन मंदिर से ज्योत प्रचंड कर यात्रा का शुभारंभ किया गया। सभी हाथ में ध्वजा लिए जय श्रीराम के जयकारे लगाते हुए बालाजी धाम डोभ पहुंचे।

जांच शिविर लगाया

साथ ही निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। जिसमें मरीजों की जांच कर दवाईयां और चश्मे निशुल्क दिए गए। इसके अलावा बालाजी का सुंदर संकीर्तन हुआ। जिसमें मोहन आर्य, अमित कौशिक ने सुंदर सुंदर भजनों का गुणगान किया। साथ ही रिंकू महादेव द्वारा सुंदर सुंदर झांकियां प्रस्तुत की गई। इस अवसर पर नवीन तनेजा, रमेश गुप्ता, ओम प्रकाश सैनी, बिट्टू ढुआ, हर्षित कोचर, राजेश कुमार, जतिन ठकराल, रवि चिटकारा, डॉ. अशोक रोहिल्ला, राजेश गोयल, पंडित नरेश कौशिक आदि उपस्थित रहे।

फ्यूल सरचार्ज को मार्च 2026 तक चालू रखने की निंदा की

- बढ़ाए गए फ्यूल सरचार्ज को वापस लेने की सरकार से मांग की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

बिजली उपभोक्ता मंच हरियाणा संबंधित ऑल इंडिया इलेक्ट्रिसिटी कंज्यूमर एसोसिएशन ने हरियाणा सरकार द्वारा फ्यूल सरचार्ज को मार्च 2026 तक चालू रखने की कड़ी निंदा करते हुए इसे तुरंत वापस लेने की मांग की है। बिजली उपभोक्ता मंच हरियाणा के जिला संयोजक रामनिवास ने कहा कि हरियाणा सरकार ने बिजली विभाग में घाटे का बहाना बनाकर 47 पैसा प्रति यूनिट फ्यूल सर चार्ज के नाम से अप्रैल 2023 मैं बिजली उपभोक्ताओं से वसूलना शुरू किया था। इसको लागू करते समय कहा गया था कि जल्द ही इसे खत्म कर दिया जाएगा। लेकिन जुलाई 2024 में फिर से इसे दिसंबर 2024 तक बढ़ा दिया गया। जिसे अब दिसंबर 2024 के बाद खत्म हो जाना चाहिए था। लेकिन अब सरकार ने इसे खत्म करने की बजाय अप्रैल 2026 तक बढ़ाने का फरमान जारी करके पहले से ही आसमान छूती महंगाई की मार से जूझ रहे बिजली उपभोक्ताओं के ऊपर और अधिक बोझ डालने का काम सरकार ने किया है। 300 यूनिट कंज्यूम करने वाले उपभोक्ता को 141 रुपए ज्यादा चुकाने होंगे। जो कि उपभोक्ताओं के साथ सरासर अन्याय है। बिजली उपभोक्ता मंच ने बढाए गए फ्यूल सरचार्ज को वापस लेने की सरकार से मांग की। बिजली उपभोक्ता मंच ने बिजली उपभोक्ताओं से इसके विरोध में आवाज बुलंद करने का आह्वान किया है।

फरवरी माह से थम जाएंगे सरकारी स्कूल बसों के पहिए

खटाई में पड़ती दिख रही सरकारी स्कूलों में बच्चों के लिए शुरू हुई नि:शुल्क बस योजना

खास बातें

- महम के सरकारी स्कूल की ओर वाहन मालिकों के 20 लाख रुपये बकाया
- सरकारी स्कूलों के बच्चों को सुरक्षित परिवहन सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए सरकार द्वारा 2024 के शैक्षणिक सत्र से शुरू की गई थी योजना
- बस मालिकों को समय पर पैसा न मिलने से योजना को लग सकता है झटका
- महम खंड के अन्य कई स्कूलों के भी लाखों रुपए बकाया
- सरकारी स्कूलों द्वारा विद्यार्थियों को मुहैया करवाई गई थी निशुल्क बस सेवा

महम। नि:शुल्क बस योजना के तहत लगाई गई बस में सफर करते राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थी और विद्यालय में बच्चों को लेने पहुंची बस। और पंक्ति बनाकर बस में चढ़ते के विद्यार्थी।

राज कुमार नरवाल ▶▶| महम

सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को निशुल्क परिवहन सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए प्रदेश सरकार ने एक योजना शुरू की थी। निशुल्क विद्यार्थी परिवहन सुरक्षा योजना के तहत प्रदेश के सभी जिलों में एक ब्लॉक को पायलेट प्रोजेक्ट के लिए चुना गया था। रोहतक जिले का महम खंड भी शिक्षा विभाग की इस योजना के अंतर्गत कवर किया गया था। इस योजना के तहत पहली से बारहवीं कक्षा तक के उन विद्यार्थियों को बस सेवा उपलब्ध करवाने का निर्णय लिया गया था, जो विद्यार्थी एक किलोमीटर से अधिक दूर से स्कूल आते हैं। साथ ही यह भी तय हुआ था कि कम से कम पांच बच्चे उस रूट से आते हों। बच्चों का स्कूल से घर तक सुरक्षित सफर बनाने के लिए यह योजना लागू की गई थी। यह योजना पूरी तरह निशुल्क है। महम खंड के महम कस्बे के लड़के और लड़कियों के 12वीं तक के दोनों स्कूल इस योजना में शामिल किए गए। साथ ही भैणी महाराजपुर, सैमाण का एक, बेडवा के दो, फरमाणा के दो, मदीना के दो, मोखरा के दो और सीसर खास के एक विद्यालय में यह सुविधा शुरू की गई। इन विद्यालयों के विद्यार्थियों को बसें घर से विद्यालय तक लेकर आती और छोड़कर आती हैं। लेकिन लगता है कि फरवरी माह से सरकार की यह योजना फ्लो हो सकती है। क्योंकि स्कूलों की ओर बस व अन्य वाहन मालिकों का स्कूलों की ओर लाखों रुपए बकाया हो गया है और कई महीने से वे पैसा मांग रहे हैं, लेकिन उनको विभाग द्वारा पैसा नहीं दिया जा रहा। इस संबंध में वाहन मालिकों ने स्कूल प्रिंसिपलों को साफ साफ कह दिया है कि या तो उनको उनका पैसा दिया जाए, वरना उन्हें मजबूरन एक फरवरी से बसों का संचालन बंद करना पड़ेगा। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय महम के प्रिंसिपल राजेश नांदल ने बताया कि उन्होंने बच्चों को लाने ले जाने के लिए 2 बस और 8 छोटी गाड़ियां लगाई हुई हैं। मई 2024 से दिसंबर 2024 तक का वाहन मालिकों को पैसा नहीं मिला है। उनके विद्यालय की ओर वाहन मालिकों का 20 लाख रुपए बकाया हो गया है। अब उन्होंने अगले महीने से बसें न चलाने का अल्टीमेटम दिया है। राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय महम की प्रिंसिपल संध्या सुमन ने बताया कि उनके विद्यालय का दो महीने का 7 लाख रुपए बकाया है। अभिभावकों का कहना है कि सरकार ने विद्यार्थियों के लिए बहुत ही अच्छी योजना शुरू की थी। इससे निजी स्कूलों में फीस भरने से उनको छुटकारा मिला था। प्राइवेट स्कूलों की तर्ज पर ही सरकारी स्कूलों में भी बस सेवा शुरू की गई थी और वह भी निशुल्क। लेकिन अब अधिकारियों की लेट लतीफी की वजह से अब यह योजना खटाई में पड़ती हुई नजर आ रही है।

उच्च अधिकारियों को चिट्ठी लिखी

खंड शिक्षा अधिकारी सरिता खनगवाल ने बताया कि सरकारी स्कूलों की ओर जो वाहन मालिकों की पेमेंट बकाया है, उस संबंध में उच्च अधिकारियों को चिट्ठी लिखी गई है। ज्यादा पेमेंट केवल राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय महम की है। बाकि विद्यालयों में तो समय पर पेमेंट हो रही है। अन्य स्कूलों की दो महीने की ही पेमेंट बकाया है। जल्द ही समस्या का समाधान करवाएंगे, ताकि विद्यार्थियों को विद्यालय तक आने जाने में परेशानी न हो। महम खंड में 16 फरवरी 2024 को यह योजना लागू की गई थी। इससे विद्यार्थियों को बहुत फायदा मिल रहा है। प्राइवेट विद्यालयों में तो अभिभावकों से बसों की फीस वसूली जाती है। लेकिन सरकारी स्कूलों के बच्चों को यह सेवा निशुल्क दे रहे हैं।

सतपाल सिंधु लगातार दूसरी बार हसला के राज्य प्रधान निर्वाचित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सेक्टर 3 के राजकीय मिडल स्कूल में हरियाणा स्कूल लेक्चरर एसोसिएशन के राज्य प्रधान का चुनाव दयानंद दलाल पूर्व राज्य प्रधान , अनिल यादव पूर्व राज्य प्रधान , रणवीर प्राचार्य व कृष्ण कुमार पूर्व राज्य महासचिव चुनाव अधिकारियों की देखरेख में सम्पंन हुआ। चुनाव में कुल मत 141, जिनमें 22 मत जिला प्रधान व 119 ब्लाक प्रधान के मत थे, उनमें से 139 मत डाले गये, जिनमें तीनों उम्मीदवारों सतपाल सिंधु निवर्तमान राज्य प्रधान को 68

वोट, जोगेंद्र लोहान को 61 व अजेंद्र कुंडू को 10 वोट मिले। इस तरह निवर्तमान राज्य प्रधान सतपाल सिंधु 7 वोटों से विजयी घोषित किये गये। सतपाल सिंधु लगातार दूसरी बार हसला के राज्य प्रधान निवार्चित हुए। उन्होंने चुनाव परिणाम घोषित होने उपरांत सम्बोधित करते हुए कहा कि वे पूरे तन मन धन से स्कूल शिक्षा विभाग में कार्यरत लेक्चरर कैडर की लम्बित मांगों को पूरा करवाने का हरसंभव प्रयास करेंगे। इस दौरान योगेश दूहण बीईओ राई, सुमेर बीईओ फिरोजपुर झिरका, अजीत चंदेलिया, कप्तान सिंह पूर्व जिला प्रधान झज्जर, राकेश दलाल पूर्व जिला प्रधान रोहतक, बलजीत सहराण पूर्व जिला प्रधान रोहतक दीपक दलाल, अजमेर हुड्डा, पवन मोर राज्य वित सचिव व राजीव दलाल जिला प्रधान रोहतक आदि मुख्य रुप से उपस्थित रहे।

रामकुमार बने मुख्य संस्थापक

रोहतक। पंडित श्रीराम शर्मा पार्क में पूर्व नौ सैनिक दल की सभा का आयोजन किया गया। जिसमें रोहतक शहर ही नहीं बल्कि गांवों से भी पूर्व नौसैनिकों ने हिस्सा लिया। सभी ने भिन्न भिन्न तथ्यों, नौसैनिक कल्याण संबंधी और पूर्ण नौसैनिकों के कल्याण के लिए हो सकने वाले संभावित कार्यों के लिए विचार एवं सुझाव साझा दिए। सभी पूर्व नौ सैनिकों ने सर्वसम्मति से रोहतक पूर्व नौ सैनिक समिति का गठन किया। समिति में मुख्य संस्थापक रामकुमार मुदगल को नियुक्त किया गया। इसके अलावा अध्यक्ष वजीर रेढू, उपाध्यक्ष दिनेश सांगवान, सचिव अजीत गुलिया और कोषाध्यक्ष अनिल शर्मा को नियुक्त किया गया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

मांग

केंद्र, संसद और विधानसभा में मामले को उठाने का दिया आश्वासन

पिछले तीन वर्षों से लंबित मांगों को किया जा रहा नजरअंदाज

बैंक के सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने मांगों को लेकर पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा और सांसद दीपेंद्र हुड्डा को सौंपा ज्ञापन

- सांसदों, मंत्रियों और समाज के अन्य नेताओं से की अपील

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

बैंक के सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा और सांसद दीपेंद्र हुड्डा को रविवार को ज्ञापन सौंपा। हरियाणा राज्य इकाई के प्रतिनिधिमंडल ने एमएल अरोड़ा राज्य सचिव, एसएस डागर केंद्रीय संगठन सचिव, सतीश निझावन राज्य संगठन सचिव, बीएस मलिक डीआर रंगा, बीएम जैन समन्वयकों के नेतृत्व में बैंकिंग उद्योग के सेवानिवृत्त कर्मचारियों की मांगों को लेकर

ज्ञापन सौंपा, जिसमें सांसद और वित्त मंत्री से समर्थन और समन्वय की मांग की गई। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों से लंबित इन मांगों को नजरअंदाज किया जा रहा है। वे अपनी मांगों को लेकर सांसदों, मंत्रियों और समाज के अन्य नेताओं से मिल रहे हैं और उनसे अपील कर रहे हैं कि वे सरकार से समन्वय करें और उनकी मांगों को पूरा करवाएं। उन्होंने बताया किपूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने आश्वासन दिया कि वे केंद्र, संसद और विधानसभा में इस मामले को उठाएंगे और सरकार से इन मांगों को पूरी करने के लिए आपकी बात को प्रमुखता से रखेंगे।

ये प्रमुख मांगें

एमएल अरोड़ा ने कहा कि लंबित मांगों में से एक 87 के बाद से लंबित पेंशन के अद्यतन से संबंधित है। 29.10.93 के समझौते के तहत बैंकिंग उद्योग में पेंशन योजना की शुरुआत पर, विनियमन 35 (1) के तहत प्रावधान के साथ पीएसबी (कर्मचारी) पेंशन विनियम 95 को शामिल किया गया था, सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंशन को हर वेतन समझौते के साथ अद्यतन किया जाना था और नियम 56 में सरकार से स्पष्टीकरण का भी प्रावधान है। अरोड़ा ने कहा कि सेवानिवृत्त लोगों के लिए कल्याण कोष से कार्यरत कर्मचारियों की तरह निशुल्क चिकित्सा बीमा, जैसा कि सरकार ने 24.02.12 को अपने पत्र के माध्यम से आईबी और बैंकों को दिशा-निर्देश जारी किए थे, सेवानिवृत्त लोगों को चिकित्सा बीमा योजना के रूप में स्वास्थ्य सेवा प्रीमियम खर्च निशुल्क किया जाना चाहिए, लेकिन इसे लागू नहीं किया गया। ज्ञापन में शामिल अन्य मांगों में ग्रेच्युटी अधिनियम संशोधन के बारे में बताया गया है। इसके अलावा डीआर को 1960 (100) श्रृंखला के बजाय 2016 श्रृंखला पर आधारित किया जाना चाहिए, जैसा कि पिछले समझौते 8.03.24 में सहमति हुई थी, जैसा कि कार्यरत कर्मचारियों को भुगतान किया जा रहा है। सरकार को कम्यूटेड पेंशन की वसूली की अवधि को 15 वर्ष से घटाकर 10-12 वर्ष करने पर पुनर्विचार करना चाहिए।